

दिन ६/११/०१

विहार सरकार
स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा, पठां एवं देशी चिकित्सा विभाग।
आधिकारी

मुख्या १६/समा।-०२/९८ ७६२ (ट्रैफिल) /स्वाठा, डा० हलीम होमियोपैथिक
मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, लहेरियासराय, दरभंगा को के न्द्रोय होमियोपैथिक परिवद,
नई दिल्ली के पत्रांक एफ०नं०-१६-१/२००१, सी०सो०एच०/३।४७, दिनांक ९-५-२००१ के
द्वारा प्रथम बो००एच०एस० पाइक्रम में नामांकन हेतु दी गयी शर्त मान्यता तथा
राज्य सरकार द्वारा गठित जाँच तमिति के जाँच प्रतिवेदन के आलोक में विहार होमियो-
पैथिक चिकित्सा शिक्षण संस्थान (विनियमन एवं नियंत्रण अधिनियम-१९८७ की धारा-६
को तहत सत्र २००२-२००३ से प्रथम बो००एच०एस० पाइक्रम में ५० लृपचात्रों छात्रों का
उन्नीकृष्णन केश के फैसले में निर्धारित स्तरों के तहत नामांकन लेने को अनुमति देते हुए.
जगती भारती का मान्यता प्रदान की जाती है।

विहार राज्यपाल के जावेदा से

लापांक ७६२ (ट्रैफिल) /स्वाठा, पटना, दिनांक ६/११/०१
प्रतिलिपि अधीक्षक, सर्विकालीन मुद्रणालय, गुलजारखाग, पटना को लूपतार्थ एवं
जगले अंक में प्रकाशनार्थ प्रेषित।

लापांक ७६२ (ट्रैफिल) /स्वाठा०पटनाल०दिनांक ६/११/०१
प्रतिलिपि कुल लालिक, बाबा०भीमराव अम्बेकर विहार विश्वविद्यालय,
गुणपत्रपुर को लूपतार्थ एवं प्रासंगिक कॉलेज को लम्बद्वता प्रदान करने हेतु प्रेषित।
प्रतिलिपि संचिव, के न्द्रोय होमियोपैथिक परिवद, नई दिल्ली/निवंधा, विहार
राज्य होमियोपैथिक चिकित्सा बोर्ड, पटना/ प्रावार्य, डा० हलीम होमियोपैथिक मेडिकल
कॉलेज एवं अस्पताल, लहेरियासराय, दरभंगा को सूचनार्थ एवं आवश्यक लार्टवार्ड हेतु प्रेषित।

प्रतिलिपि मंत्री/राज्य मंत्री को जाप्त संचिव/संचिव के संचिव/अपर संचिव;
स्वास्थ्य चित्रिति, पठां एवं देंचित्रिति को सूचनार्थ उप संचिव-सह-निदेशक, केंद्रीय/
उप निदेशक होमियोपैथिक/आयुर्वेदिक/एनानी/ प्रशास्त्रा प्रशास्त्रारी-१६/ केशी चिकित्सा
विद्यालय से सभी क्रिया कारी एवं संचित संग्रह को सूचनार्थ प्रेषित।

सरकार के उप संचिव।